

Measures taken to utilise the resources of these Laboratories in a coordinated manner are :

- (1) Directors of the laboratories meet in periodic conferences to discuss common problems.
 - (2) When the scientists visit laboratories, they discuss with their colleagues their problems.
 - (3) Group meetings of allied laboratories, are proposed to be held to discuss this matter in depth.
 - (4) Meetings are held to discuss overlapping areas.
- (b) The broad areas where co-ordination has been attempted are coals, minerals, medicinal plants, pharmaceuticals and drugs and chemicals leading to better understanding of inter-laboratory problems.
- (c) Does not arise.

कालीबंगा (राजस्थान) में खुदाई

3160. श्री प० ला० बाबुपाल : क्या शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) श्रीगंगानगर (राजस्थान) में स्थित कालीबंगा की खुदाई के क्या परिणाम निकले हैं, और

(ख) क्या सरकार उक्त जिला श्रीगंगानगर (राजस्थान) की तहसील हनुमानगढ़ के पास डबलीराठान के पास वाली थेडी और तहसील सूरतगढ़ के ग्राम बारुपालवाला चक 34 एस० टी० जी० में जो थेडी स्थित हैं, उनकी खुदाई का कार्य प्रारम्भ कर पता लगायेगी कि ये थेडिया किस काल और अवधि की है और उक्त स्थानों के निवासियों को खुदाई के कारण जो मिट्टी अवधि धातुयें मिलती रहती हैं, उनका सम्बन्ध किस कालावधि से है ?

शिक्षा तथा युवक सेवा मन्त्रालय में उप मन्त्री (श्रीमती जहानारा जयपाल सिंह) :

(क) खुदाइयों से इस स्थल पर बस्ती के दो काल प्रकाश में आए हैं। इनमें से पहला (काल 11) हड़प्पन (सी० 2300-1800 ईसा पूर्व) था। मिट्टी की ईंटों की बाहरी दीवार से घिरी

हुई निचली बस्ती वाला (काल-1) पूर्व हड़प्पन बस्ती (काल 11) के दो प्रधान भाग थे :—

(i) दुर्ग तथा (ii) नीचला शहर जबकि दुर्ग छोड़ी हुई पूर्व हड़प्पन बस्ती के स्थल पर, स्थित था, नीचला शहर इसके पूर्व में लगभग 40 एम० की दूरी पर बसा हुआ था। दुर्ग दो बिल्कुल अलग-अलग नमूनों का किन्तु लगभग बराबर हिस्सों का था, जिनमें से प्रत्येक बाहरी दीवार द्वारा घिरा हुआ था। दक्षिणी अर्द्ध भाग में चार से छः तक मिट्टी की ईंटों के खूतरे थे। उनमें कुछ का धार्मिक प्रयत्न प्रार्थना इत्यादि के लिए उपयोग किया जाता होगा। किले के उत्तरी अर्द्ध भाग में सर्वश्रेष्ठ आवासीय भवन थे। नीचली बस्ती भी शायद घिरी हुई थी। उसके भीतर विशिष्ट पद्धति के हाउस ब्लॉकों के साथ उत्तर दक्षिण और पूर्व-पश्चिम में ग्राम रास्ते बने हुए थे। इसके अतिरिक्त, हड़प्पन काल की इमशान भूमि भी स्थित है। इस मौसम की खुदाइयों की एक प्रसाधारण खोज पूर्व हड़प्पन काल का स्थल है, जिसमें जुते हुए खेत नियमित हलों के निशानों से प्रदर्शित हैं।

(ख) इन टीलों की खुदाई के काम को हाथ में लेने का इस समय कोई प्रस्ताव नहीं है।

भारत के स्वतन्त्रता संग्राम का इतिहास

3161. श्री प० ला० बाबुपाल : क्या शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत के स्वतन्त्रता संग्राम के इतिहास को प्रकाशित करने का जो प्रस्ताव केन्द्रीय सरकार के विचाराधीन था, उसे स्थगित कर दिया गया है और यदि हाँ तो इसके क्या कारण हैं,

(ख) क्या यह सच है कि स्वतन्त्रता सेनानियों के बारे में जानकारी एकत्र करने के लिए केन्द्रीय सरकार की देखरेख में राज्य सरकारों द्वारा समितियाँ तथा उप-समितियाँ गठित की गई थीं और

(ग) यदि हां, तो इस कार्य पर केन्द्रीय सरकार द्वारा कितना तथा राजस्थान सरकार द्वारा कितना धन खर्च किया गया है ?

शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय में राज्य मन्त्री (श्री भक्त दर्शन) : (क) जी नहीं ।

(ख) जी नहीं । यह सच नहीं है ।

(ग) स्वतन्त्रा आन्दोलन के इतिहास के निर्माण पर भारत सरकार द्वारा अब तक लगभग 11 लाख रुपए खर्च किए गए हैं । किन्तु स्वतन्त्रता सेनानियों की 'परिचय-पुस्तक' (ह इज हू) की योजना पर केन्द्रीय सरकार ने अभी तक लगभग 1.53 लाख रुपए ही खर्च किए हैं जिसमें केन्द्रीय सरकार द्वारा राजस्थान सरकार को दी गई 4,972 रुपए की सहायता भी शामिल है । स्वतन्त्रा सेनानियों की 'परिचय पुस्तक' (ह इज हू) के संकलन पर राजस्थान सरकार द्वारा अभी तक 14,898 रुपए खर्च किए गए हैं ।

Establishment of Tourist Centre at Marvanthe

3162. SHRI LOBO PRABHU : Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state :

(a) whether Government are aware that Marvanthe temple possesses the unique feature of being on a road which flows for two miles between the wide Koolur river and the sea ; and

(b) the reasons for delay in the establishment of a Tourist centre at Marvanthe for which land was acquired after sanction in 1961 ?

THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DR. KARAN SINGH): (a) and (b). Previously, the development of Karwar—Shravasthi—Marvanthe areas as a tourist centre was included in the Plan schemes of the Department of Tourism but with a severe curtailment in the Plan outlay it will not be possible to take up this work from Central resources. The Mysore State Government have, however, plans for developing this area.

Signing of A. R. C. Reports

3163. SHRI NITIRAJ SINGH CHAUDHARY : Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) the number of reports the Administrative Reforms Commission has so far submitted and if these include report regarding the State Administration ;

(b) whether the report on State Administration was not signed by two members (Shri V. P. Naik, Chief Minister, Maharashtra and Shri D. P. Mishra, ex-Chief Minister, Madhya Pradesh), yet it purports to have been signed by them ;

(c) if so, the steps Government are taking or have taken to get the error corrected ; and

(d) whether Government would also send for originals of all the reports of A. R. C. so far submitted and check if they were really signed by members who are shown to have signed them, and lay a statement of their findings on the Table of the House ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA) : (a) The Administrative Reforms Commission has so far submitted ten reports to Government. These do not include a report on State Level Administration.

(b) and (c). The member is presumably referring to the report of the Study Team on "State Level Administration" appointed by the Administrative Reforms Commission. This report was submitted to the Commission, not to Government. Among others, Sarvashri V. P. Naik and D. P. Mishra were members of this Study Team. The Commission states that Shri Naik did not sign the report, but sent his comments separately to the Commission. It also states that Shri Mishra could not find time to take part in all the deliberations of the Team and did not sign the report.

(d) The reports of the Administrative Reforms Commission are submitted to Government in original. All the reports of the Commission so far submitted to Government except that on "Problems of Redress of Citizens' Grievances" have been signed by all the members of the Commission. The report on "Problems of Redress of Citizens